संक्षिप्त परिचय

श्री राजनाथ सिंह

श्री राजनाथ सिंह का जन्म 10 जुलाई, 1951 को वाराणसी जिले की तहसील चकिया के भभौरा नाम के ग्राम में एक साधारण कृषक परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम श्री राम बदन सिंह और माता का नाम श्रीमती गुजराती देवी था।

श्री सिंह ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा अपने ही गॉव के विद्यालय से प्राप्त की और तदोपरांत बी0एस0सी0 और एम0एस0सी0 (भौतिक विज्ञान) की परीक्षा उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् वे के0बी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मिर्जापुर में भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता के रूप में नियुक्त हुए।

सार्वजनिक एवं सामाजिक जीवन

श्री सिंह अपने विद्यार्थी जीवन से ही एक मेधावी छात्र थे। वर्ष 1974 में उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया तथा 1977 में वे उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायक के चुने गए। वर्ष 1988 में वे उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सदस्य नियुक्त किये गए। वर्ष 1991 में जब उत्तर प्रदेश में पहली बार भाजपा की सरकार बनी तो उन्हें शिक्षा मंत्री बनाया गया। शिक्षा मंत्री के रूप में उनकी उपलब्धियां अभूतपूर्व रहीं और इस हैसियत से उन्होंने काफी ख्याति अर्जित की। माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं में नकल विरोधी अधिनियम का लागू किया जाना, वैदिक गणित की पढ़ाई प्रारम्भ करना, इतिहास की पाठ्य–पुस्तकों की विषय–वस्तु में संशोधन कर विकृतियों को हटाया जाना उनकी महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां रहीं।

वर्ष 1994 में वे राज्यसभा के सदस्य बने। 22 नवम्बर 1999 को उन्हें केन्द्रीय मंत्री नियुक्त किया गया और भूतल परिवहन विभाग का दायित्व सौंपा गया। इस कार्यकाल के दौरान उन्हें श्री अटल बिहाजरी वाजपेयी जी के ड्रीम प्रोजेक्ट एन.एच.डी.पी. (राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम) को आरंभ करने का अवसर प्राप्त हुआ। वे वर्ष 2000 में दूसरी बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए।

श्री राजनाथ सिंह ने 28 अक्टूबर 2000 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वर्ष 2001 में वे हैदरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से उप–चुनाव जीतकर विधायक बने। वर्ष 2002 में पुनः हैदरगढ़ से विधानसभा चुनाव जीतकर विधान मण्डल दल के नेता बने। श्री सिंह नवम्बर 2002 में तीसरी बार राज्य सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। 24 मई 2003 को श्री राजनाथ सिंह कृषि मंत्री बने और बाद में 17 जनवरी 2004 को उन्हें खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया। इस कार्यकाल के दौरान उन्होंने कुछ क्रांतिकारी परियोजनाएं जैसे किसान कॉल सेंटर और कृषि आय बीमा योजना आरंभ की।

उन्होंने आतंकवादी गतिविधियों में हुई वृद्धि एवं आतंरिक सुरक्षा के खतरे के मुद्दे को उठाते हुए 'भारत सुरक्षा यात्रा' भी आरंभ की जो कई राज्यों से गुजरी। उन्होंने जनता से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे आवश्यक वस्तुओं कीमतों में वृद्धि, किसानों की शिकायतों एवं अन्य राष्ट्रीय मुद्दों को बड़ी ही प्रखरता के साथ उठाया। उन्होंने बेरोजगारी उसके कारण तथा उपचार पर एक पुस्तक भी लिखी।

वर्ष 2009 के लोकसभा चुनावों में श्री सिंह गाजियाबाद से लोकसभा सांसद चुने गए।

26 मई 2014 को श्री राजनाथ सिंह ने भारत के केन्द्रीय गृह मंत्री के रूप में शपथ ली। तब से वह सक्रिय रूप से केन्द्रीय गृह मंत्री के रूप में कार्य कर रहे है।